This question paper contains 8 printed pages]

5383

M.A. (Final) EXAMINATION, 2017

HINDI LITERATURE

Paper III

(नाटक एवं रंगमंच)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

खण्ड 'अ' [Marks : **20**]

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **50** शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

खण्ड 'ब' [Marks : **50**]

*प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **250** शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

P.T.O.

खण्ड 'स' [Marks : 30]

कोई **दो** *प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***300*** *शब्दों से अधिक न हो ।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

खण्ड 'अ'

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इकाई I

(*i*) 'चंद्रगुप्त' नाटक के भारतीय पुरुष पात्रों के नाम लिखिए ।

(*ii*) जयशंकर प्रसाद के **दो** अन्य ऐतिहासिक नाटकों के नाम बताइए ।

इकाई II

(*iii*) 'आधे-अधूरे' नाटक का पहला मंचन किस वर्ष में और कहाँ हुआ ?

(*iv*) "'आधे-अधूरे' की भाषा में वह सामर्थ्य है जो समकालीन जीवन के तनाव को पकड़ सके ।" यह कथन किसका है ?

इकाई III

(*v*) 'माधवी' नाटक की कथा किस ग्रंथ से ली गई है ?

(*vi*) 'यज्ञ में दी जाने वाली आहुति साधारण आहुति नहीं होती ।' यह कथन किसने और किससे कहा ?

इकाई IV

(*vii*) 'आठवाँ सर्ग' नाटक के अंकों व पात्रों के नाम लिखिए ।

(*viii*) 'कोमल गांधार' नाटक की मूल संवेदना क्या है ?

इकाई V

(*ix*) 'शंकर शेष' के **दो** महत्वपूर्ण नाटकों के नाम बताइए ।

(*x*) किन्हीं **दो** समकालीन नाटककारों के नाम लिखिए ।

खण्ड 'ब'

इकाई I

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"यह जागरण का अवसर है । जागरण का अर्थ है कर्मक्षेत्र में अवतीर्ण होना । और कर्मक्षेत्र क्या है ? जीवन-संग्राम ! किन्तु भीषण संघर्ष करके भी मैं कुछ नहीं हूँ । मेरी सत्ता एक कठपुतली-सी है । तो फिर ..... मेरे पिता, मेरी माता, इनका तो सम्मान आवश्यक था । वे चले गये, मैं देखता हूँ कि नागरिक तो क्या, मेरे आत्मीय भी आनन्द मनाने से वंचित किये गये । यह परतंत्रता कब तक चलेगी ?"

3. 'चंद्रगुप्त' नाटक के आधार पर जयशंकर प्रसाद की नारी-विषयक भावनाओं का विश्लेषण कीजिए ।

इकाई II

4. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"..... एक आदमी है । घर बसाता है । क्यों बसाता है ? एक जरूरत पूरी करने के लिए । कौन-सी जरूरत ?

अपने अंदर के किसी ..... एक अधूरापन कह लीजिए उसे ..... उसको भर सकने की । इस तरह उसे अपने लिए ..... अपने में पूरा होना होता है । किन्हीं दूसरों को पूरा करने में ही जिंदगी नहीं काटनी होती । पर आपके महेंद्र के लिए जिंदगी का मतलब रहा है ..... जैसे सिर्फ दूसरों के खाली खाने भरने की चीज़ है वह ।''

5. ''इसलिए कि किसी तरह इस घर का कुछ बन सके, कि मेरे अकेली के ऊपर बहुत बोझ है इस घर का । जिसे कोई और भी मेरे साथ ढोने वाला हो सके । अगर मैं कुछ खास लोगों के साथ संबंध बनाकर रखना चाहती हूँ तो अपने लिए नहीं, तुम लोगों के लिए । पर तुम लोग इससे छोटे होते हो, तो मैं छोड़ दूँगी कोशिश । हाँ इतना कहकर कि मैं अकेले दम इस घर की जिम्मेदारियाँ नहीं उठाती रह सकती, और एक आदमी है जो घर का सारा पैसा डुबोकर सालों से हाथ पर हाथ धरे बैठा है ।''

इकाई III

6. "तुम पूर्णत: स्वतंत्र हो गालब, मैं तुम्हे बाँधकर नहीं रखूँगी । वे दिन भूल गये जब तुम कहा करते थे कि तुम महलों के आसपास मँडराते रहे हो ताकि तुम्हे मेरी छाया ही नजर आ जाये । मैं वही माधवी हूँ गालब । मैं तुम्हारे लिए केवल निमित्त मात्र थी । जब तुम मेरे सामने अनुनय-विनय कर रहे थे तब भी तुम झूठ बोल रहे थे । तुमने केवल एक ही व्यक्ति से प्रेम किया है और वह अपने आपसे । पर मैं, तुम्हे पहचानते हुए भी नहीं पहचान पायी ।"

7. 'माधवी' नाटक की नायिका माधवी की चारित्रिक विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

इकाई IV

8. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"हाँ, होती है । ..... अगर वह सत्ता अपने हाथ में बनाए रखना चाहता है, तो ..... अगर वह अपने विरुद्ध असन्तोष के विषैले बीज नहीं बोना चाहता है, तो

..... अगर वह महत्त्वाकांक्षियों को अवसर नहीं देना चाहता है, तो ..... जानते हो, इस देश के लोगों को सबसे अधिक चोट कब पहुँचती है ? जब उनके धार्मिक क्रियाकलापों में हस्तक्षेप होता है ..... जब उनकी धार्मिक मान्यताओं को आघात लगता है ।''

9. 'कोमल गांधार' नाटक के उद्देश्य को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

इकाई V

10. समकालीन नाटकों की विशेषताएँ बताते हुए उनके महत्व को प्रतिपादित कीजिए ।

11. हिंदी रंगमंच के विकास पर एक आलेख लिखिए ।

खण्ड 'स'

इकाई I

12. ''प्रसादजी के ऐतिहासिक नाटक अतीत के पट पर वर्तमान का चित्र है ।'' 'चंद्रगुप्त' नाटक के आधार पर विवेचन कीजिए ।

इकाई II

13. "'आधे-अधूरे' नाटक में मानवीय संतोष के अधूरेपन का रेखांकन है ।" कथन की समीक्षा कीजिए ।

इकाई III

14. "'माधवी' नाटक में माधवी की वेदना के तार वर्तमान नारी की संवेदनाओं से जुड़ते हैं ।" इस कथन की पुष्टि करते हुए अपना मत प्रस्तुत कीजिए ।

इकाई IV

15. सुरेन्द्र वर्मा कृत 'आठवाँ सर्ग' नाटक की तात्विक समीक्षा कीजिए ।

इकाई V

16. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) प्रसादोत्तर हिंदी नाटक

(2) गीति-नाट्य

(3) मोहन राकेश और हिंदी नाटक

(4) लोक परंपरा और रंगमंच ।